भारत में जापानी बैंकों का बढ़ रहा निवेश

आरबीआई गवर्नर से राजदूत ने की साझेदारी पर चर्चा

दोनों देश 'इंडो-पैसिफिक' सहयोग को भी दे रहे बल

नई दिल्ली, 01 अगस्त. भारत में जापानी बैंकों का निवेश लगातार बढ़ रहा है और वे देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं. जापान के भारत में राजदूत ओनो केइची ने शुक्रवार को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा से मुलाकात की और इस विषय पर विस्तार से चर्चा की.

राजदूत केइची ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी पोस्ट में इस मुलाकात का जिक्र किया. उन्होंने कहा कि बैठक में भारत में जापानी बैंकों के निवेश के विस्तार और भारतीय अर्थव्यवस्था में उनके बढ़ते योगदान पर बात हुई. यह मुलाकात भारत और जापान के बीच विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी को और गहरा करने के प्रयासों का हिस्सा है, जिसमें व्यापार, निवेश और वित्तीय सहयोग पर जोर दिया जा रहा है.

हाल ही में, 28 जुलाई को नई दिल्ली में एक उच्च-स्तरीय वार्ता में, भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिसरी और जापान के विदेश मामलों के उप-मंत्री ताकेहिरो फुनाकोशी ने सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और लोगों के आपसी संपर्क को बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की. दोनों देशों ने मुक्त और खुले इंडो-पैसिफिक को बढ़ावा देने के लिए जापान-अमेरिका- ऑस्ट्रेलिया- भारत जैसे फ्रेमवर्क के तहत मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता भी दोहराई.

रणनीतिक साझेदारी में मजबूती

पिछले कुछ वर्षों में, जापानी वित्तीय संस्थानों ने भारत में अपनी उपस्थिति बढ़ाई है . ये संस्थान भारत में बुनियादी ढांचा परियोजनाओं, औद्योगिक विकास और व्यावसायिक सहयोग को बढ़ावा दे रहे हैं . यह बैठक तब हुई है जब दोनों देश अपने द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर काम कर रहे हैं . प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इस साल के अंत में जापान यात्रा से पहले दोनों देशों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी आपसी संबंधों की मजबूती पर जोर दिया है .

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 698 .19 अरब डॉलर पहुंचा

मुंबई,01 अगस्त.भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 25 जुलाई को समाप्त सप्ताह में 2.703 अरब डॉलर बढ़कर 698.192 अरब डॉलर हो गया. भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को यह जानकारी दी.इससे पिछले सप्ताह में कुल विदेशी मुद्रा भंडार 1.183 अरब डॉलर घटकर 695.489 अरब डॉलर रहा था.शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, 25 जुलाई को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का प्रमुख घटक, विदेशी मुद्रा आस्तियां 1.316 अरब डॉलर बढ़कर 588.926 अरब डॉलर हो गया.डॉलर के संदर्भ में उल्लेखित विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं की घट-बढ़ का प्रभाव शामिल होता है.

आयात शुल्क के असर से बाजार धड़ाम

585 अंक से गिरा सेंसेक्स

203 अंक से लुढ़का निफ्टी

मुंबई, 01 अगस्त (वार्ता) अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नये आयात शुल्कों के आदेश पर हस्ताक्षर करने के बाद शुक्रवार को भारत समेत दुनिया भर में शेयर बाजार धड़ाम हो गये.

बीएसई का सेंसेक्स 585.67 अंक यानी 0.72 प्रतिशत लुढ़ककर 80,599.91 अंक पर बंद हुआ. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 203 अंक (0.82 फीसदी) गिरकर 24,565.35 अंक पर आ गया.ट्रंप ने गुरुवार को भारत समेत 68 देशों और यूरोपीय संघ पर नये आयात शुल्क लगाने के आदेश पर हस्ताक्षर किये. इसके बाद एशिया और यूरोप के लगभग सभी बड़े शेयर बाजारों में गिरावट रही. सेंसेक्स 111 अंक की गिरावट के साथ खुला और कुछ देर बाद हरे निशान में भी पहुँचा. लेकिन जैसे ही अमेरिका में आयात शुल्क का आदेश जारी होने की खबर आयी बाजार में भारी बिकवाली देखी गयी.

एनएसई में निफ्टी-50 का ग्राफ भी सेंसेक्स जैसा ही रहा. चौतरफा बिकवाली के बीच मझौली और छोटी कंपनियों पर दबाव ज्यादा रहा. निफ्टी मिडकैप-50 में 1.54 प्रतिशत की गिरावट रही. निफ्टी स्मॉलकैप-100 भी 1.66 प्रतिशत गिरकर बंद हुआ. एनएसई में एफएमसीजी के छोड़कर सभी सेक्टरों के सूचकांक लाल निशान में रहे.

भारत में एप्पल की बिक्री में उछाल

अप्रैल-जून तिमाही में आईफोन बिक्री 10 से ज्यादा बढ़ी

क्युपर्टिनो (अमेरिका), 01 अगस्त (वार्ता) हाई-एंड इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पाद बनाने वाली दिग्गज अमेरिकी कंपनी एप्पल ने अप्रैल-जून तिमाही में भारत में रिकॉर्ड राजस्व अर्जित किया और उसकी आईफोन की बिक्री 10 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ी.

कंपनी ने 28 जून को समाप्त तिमाही के वित्तीय परिणाम गुरुवार को जारी किये. तिमाही के दौरान उसका राजस्व सालाना आधार पर 10 प्रतिशत बढ़कर 94 अरब डॉलर पर पहुँच गया. प्रति शेयर उसकी कमाई 1.57 डॉलर रही जो एक साल पहले की तुलना में 12 प्रतिशत अधिक है. एप्पल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी टिम कुक ने एक प्रश्न के उत्तर में कहा कि चीन समेत अधिकतर बाजारों में उसकी बिक्री बढ़ी है और भारत, अमेरिका, कनाडा, यूरोप, दक्षिण एशिया समेत 12 से अधिक देशों/क्षेत्रों में उसने इस तिमाही की बिक्री का नया रिकॉर्ड बनाया.

कुक ने कहा कि कंपनी ने हाल ही में सऊदी अरब में ऑनलाइन एक एप्पल स्टोर खोला है और इस साल संयुक्त अरब अमीरात तथा भारत में नये स्टोर खोलने की योजना है.

जुलाई में जीएसटी संग्रह रिकॉर्ड स्तर पर

नयी दिल्ली, 01 अगस्त (वार्ता) देश में सकल वस्तु एवं सेवा कर संग्रह जुलाई में 1,95,735 करोड़ रुपये पर पहुँच गया जो जुलाई 2024 के 1,82,075 करोड़ रुपये की तुलना में 7.5 प्रतिशत अधिक है.

वित्त मंत्रालय द्वारा शुक्रवार को जारी आंकड़े में बताया गया है कि 27,147 करोड़ रुपये के रिफंड के बाद शुद्ध जीएसटी संग्रह 1,68,588 करोड़ रुपये रहा.

यह पिछले साल जुलाई के मुकाबले 1.7 प्रतिशत अधिक है. वित्त वर्ष के लिए 2025-26 के पहले चार महीने (अप्रैल-जुलाई) सकल जीएसटी संग्रह 10.7 प्रतिशत बढ़कर 8,18,099 करोड़ रुपये हो गया. पिछले वित्त वर्ष के पहले चार महीने में यह 7,38,894 करोड़ रुपये रहा था.

इफको के नए एमडी बने केजे पटेल

तकनीकी निदेशक से एमडी पद तक का सफर

पारादीप संयंत्र के प्रमुख रह चुके हैं पटेल

नई दिल्ली, 01 अगस्त. इंडियन फार्मर्स फर्टिलाइजर कोऑपरेटिव लिमिटेड के चेयरमैन दिलीप संघाणी ने गुरुवार को केजे पटेल को संगठन का 9वां प्रबंध निदेशक घोषित किया है. पटेल इफको में तकनीकी निदेशक के पद पर कार्यरत थे और उनके पास उर्वरक उद्योग का 32 वर्षों का समृद्ध अनुभव है.

केजे पटेल ने सौराष्ट्र विश्वविद्यालय से मैकेनिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की है. उन्हें नाइट्रोजन और फॉस्फेटिक उर्वरक संयंत्रों के रखरखाव में महारत हासिल है. वे इफको के पारादीप संयंत्र के प्रमुख रह चुके हैं, जो भारत का सबसे बड़ा जटिल उर्वरक संयंत्र है.पटेल अपनी परिचालन उत्कृष्टता और सतत विकास को बढ़ावा देने की क्षमता के लिए जाने जाते हैं. संघाणी ने पटेल का स्वागत करते हुए कहा कि उनके पास उद्योग का गहरा ज्ञान और रणनीतिक सोच का दृष्टिकोण है, जो इफको के लक्ष्यों के अनुरूप है. उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि पटेल के नेतृत्व में इफको नवाचार और मूल्य सृजन के एक नए युग में प्रवेश करेगा, जिससे किसानों और सहकारी बंधुओं का कल्याण सुनिश्चित होगा.

जुलाई में बिजली खपत में मामूली बढ़ोतरी

नयी दिल्ली,01 अगस्त.देश में बिजली की खपत जुलाई में सालाना आधार पर 2.6 प्रतिशत की मामूली वृद्धि के साथ 153.63 अरब यूनिट रही. इसका मुख्य कारण देश के कई हिस्सों में भारी बारिश के बीच एयर कंडीशनर, कूलर जैसे उपकरणों का कम उपयोग था.

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, पिछले साल जुलाई में बिजली की खपत 149.65 अरब यूनिट रही थी.विशेषज्ञों का मानना है कि सक्रिय मानसून के कारण देश भर में हुई भारी बारिश ने जुलाई में बिजली की खपत के साथ-साथ मांग को भी प्रभावित किया.जुलाई में एक दिन में सबसे अधिक आपूर्ति थोड़ी कम होकर लगभग 220.59 गीगावाट रही, जो पिछले साल जुलाई में लगभग 226.63 गीगावाट थी.एक दिन में बिजली की सर्वाधिक मांग पिछले साल मई में लगभग 250 गीगावाट के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई थी.

इससे पहले सर्वकालिक उच्चतम बिजली मांग 243.27 गीगावाट सितंबर, 2023 में दर्ज की गई थी.सरकारी अनुमानों के अनुसार, 2025 की गर्मियों में बिजली की अधिकतम मांग 277 गीगावाट तक पहुंचने की उम्मीद थी.हालांकि, इस गर्मी के मौसम (अप्रैल से) के दौरान, जून में बिजली की अधिकतम मांग रिकॉर्ड 242.77 गीगावाट रही.

निर्माण क्षेत्र में 20 लाख कर्मचारियों की कमी

राज्य सरकारों के साथ कर्मचारियों के प्रशिक्षण पर बातचीत जारी

किफायती मकानों की बिक्री में कमी को लेकर चिंता जताई

नई दिल्ली,01 अगस्त. रियल एस्टेट क्षेत्र के शीर्ष निकाय नारेडको के चेयरमैन निरंजन हीरानंदानी ने शुक्रवार को कहा कि देश में निर्माण क्षेत्र में वर्तमान में 20 लाख कुशल कर्मचारियों की कमी है जिसे दूर करने और युवाओं को प्रशिक्षण देने के लिए राज्य सरकारों के साथ बातचीत चल रही है.

नेशनल रियल एस्टेट डेवलपमेंट काउंसिल के 29-30 अगस्त को दिल्ली में होने वाले 17वें राष्ट्रीय सम्मेलन के बारे में जानकारी देते हुए हीरानंदानी ने यह भी कहा कि देश में किफायती मकानों की बिक्री में कमी चिंता का विषय है इसके बारे में सभी पक्षों को काम करने की जरूरत है.उल्लेखनीय है कि जहां देश में लक्जरी मकानों की बिक्री बढ़ रही है वहीं 50 लाख से 80 लाख रुपये की कीमत वाले मकानों की आपूर्ति घट गई है.

> सीबीआरई-एसोचैम की हाल में जारी एक रिपोर्ट कहती है कि देश के सात प्रमुख शहरों में छह करोड़ रुपये से अधिक कीमत वाले घरों की बिक्री इस साल की पहली छमाही में 85 प्रतिशत बढ़कर करीब 7,000 इकाई रही. इसमें दिल्ली-एनसीआर की हिस्सेदारी सर्वाधिक 57 प्रतिशत जबकि मुंबई की 29 प्रतिशत रही.

`गूगल प्ले पर नकद ईनाम वाले गेम की अनुमति देने का प्रस्ताव रखा

नयी दिल्ली,01 अगस्त. गूगल ने प्रतिस्पर्धा रोधी चिंताओं को दूर करने के लिए भारत में गूगल प्ले पर नकद ईनाम वाले गेम की अनुमति देने का प्रस्ताव रखा है.इस प्रमुख प्रौद्योगिकी कंपनी ने गूगल विज्ञापन नीति में बदलाव का सुझाव भी दिया है और कुछ शर्तों के साथ भारत में कौशल आधारित गेम के विज्ञापन की अनुमति दी है.भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग ने नवंबर 2024 में विनजो गेम्स प्राइवेट लिमिटेड की एक शिकायत पर गूगल के खिलाफ जांच का आदेश दिया था.

विनिर्माण उद्योग की रफ्तार जुलाई में और तेज

जुलाई में विनिर्माण पीएमआई बढ़कर 59.1 पर पहुँचा

यह मार्च 2024 के बाद का सबसे ऊँचा स्तर है

नयी दिल्ली, 01 अगस्त (वार्ता) देश के विनिर्माण क्षेत्र की रफ्तार जुलाई में और तेज हो गयी तथा एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण खरीद प्रबंधक सूचकांक 16 महीने के उच्चतम स्तर पर पहुँच गया.

एसएडंपी ग्लोबल के सर्वेक्षण पर आधारित विनिर्माण पीएमआई जून के 58.4 से बढ़कर जुलाई में 59.1 पर पहुँच गया. यह मार्च 2024 के बाद का उच्चतम स्तर है.

शुक्रवार को जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि नये ऑर्डर, उत्पादन और खरीद भंडार बढ़ने के कारण सूचकांक में तेजी दर्ज की गयी है. एचएसबीसी पीएमआई के आँकड़े मासिक आधार पर उद्योग की गतिविधियों की तुलना करता है. सूचकांक का 50 से ऊपर रहा गतिविधियों में तेजी और 50 से नीचे रहना गिरावट को दिखाता है. वहीं, 50 का स्तर स्थिरता दिखाता है.

सोना 400 रुपए सस्ता

नयी दिल्ली, 01 अगस्त. स्टॉकिस्टों की लगातार बिकवाली के कारण शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोने की कीमत 400 रुपये टूटकर 97,620 रुपये प्रति 10 ग्राम रही. अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने यह जानकारी दी.पिछले कारोबारी सत्र में 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 98,020 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी.

राष्ट्रीय राजधानी में, 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना शुक्रवार को 300 रुपये गिरकर 97,500 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) रहा, जबकि पिछले सत्र में यह 97,800 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था.

समाचार विशेष

न किले सेफ हैं, न उम्मीदवारी मजबूत

बिहार के चार बाहुबली की कैसे बचेगी विरासत?

पटना. बिहार की राजनीति बदल रही है. एक समय था जब बाहुबली बिहार में सत्ता तय करते थे. आनंद मोहन, अनंत सिंह, सूरजभान और शहाबुद्दीन ये वो चार नाम हैं, जिनकी मर्जी बिना सरकार एक दारोगा का भी तबदाला नहीं कर पाती थी.

2005 के बाद धीरे-धीरे इन बाहुबलियों पर कार्रवाई तेज हुई और कईयों को सजा मिली. जब इनमें से कई खुद चुनाव लड़ने की स्थिति में नहीं रहे तो किसी ने बेटे तो किसी ने पत्नी को चुनावी मैदान में उतारा. लेकिन इस साल के अंत में होनेवाली बिहार विधानसभा चुनाव में इन बाहुबलियों के सामने सबसे बड़ी चुनौती अपनी राजनीतिक विरासत को बचाना है.

बेटे की सीट को लेकर परेशान हैं आनंद मोहन- आनंद मोहन की अस्सी और नब्बे के दशक में जिस तरह से राजनीतिक जलवा था, वो अब फीका पड़ा है. शिवहर के आसपास के इलाके में आनंद मोहन का राजपूत समुदाय के बीच मजबूत पकड़ मानी जाती थी, जिसके सहारे वो अपने राजनीतिक वर्चस्व को भी कायम करने में सफल रहे. तिरहुत डिवीजन का सियासी मिजाज में पूरी तरह से आनंद मोहन तय करते थे, लेकिन अब स्थिति बदल गई है. आंनद मोहन को उम्र कैद की सजा हुई थी, जिसके बाद वो चुनावी मैदान से बाहर आ गए.

न पार्टी में दम न इलाके में रुतबा, क्या करेंगे सूरजभान

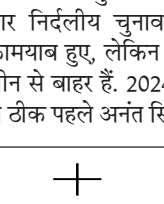

बिहार के बाहुबलियों में सुरजभान सिंह का अपना दबदबा हुआ करता था. मोकामा से विधायक रहे हैं और मुंगेर से उनकी पत्नी सांसद रही हैं. सूरजभान सिंह को हत्या के मामले में सजा हो चुके हैं, जिसके चलते वो खुद चुनाव नहीं लड़ सकते हैं. इसके अलावा मुंगेर बेल्ट में ललन और अनंत सिंह का दबदबा बढ़ने के साथ ही सुरजभान का राजनीतिक असर कम होता गया. सूरजभान का परिवार फिलहाल चिराग पासवान की पार्टी एलजेपी (आर) में है, लेकिन एनडीए का हिस्सा जेडीयू और एलजेपी दोनों है. मुंगेर सीट से अनंत सिंह की पत्नी नीलम देवी विधायक हैं, लेकिन आरजेडी को छोड़कर जेडीयू में है.

आनंद मोहन की पत्नी जरूर जेडीयू से लोकसभा सांसद हो गई हैं, लेकिन उनके बेटे की नाव सियासी मंझधार में फंसी हुई है. आंनद मोहन के लिए अपने किसी करीबी को पहले की तरह चुनाव लड़ाना आसान नहीं है.

अनंत सिंह खुद लड़ेंगे या पत्नी तय नहीं- बिहार के मोकामा क्षेत्र में बाहुबली अनंत सिंह जेल से अंदर और बाहर आने का सिलसिला लगातार जारी है. कोर्ट से सजा होने के चलते ही पहले ही अपनी विधायकी गंवा चुके हैं और उनकी सियासी विरासत उनकी पत्नी नीलम देवी संभाल रही है. आनंद सिंह अब तक 4 बार विधायक रह चुके हैं. अनंत सिंह दो बार जदयू के टिकट पर चुनाव जीते हैं तो एक बार निर्दलीय चुनाव जीतने में कामयाब हुए, लेकिन अब चुनाव सीन से बाहर हैं. 2024 के चुनाव से ठीक पहले अनंत सिंह का दिल जेडीयू के लिए पसीज गया और उन्होंने ललन सिंह को जीतने में अहम रोल अदा किया. इसके बाद ही नीलम देवी ने सियासी पैंतरा बदलते हुए जेडीयू के खेमे में खड़ी नजर आ रही हैं, लेकिन नीतीश कुमार चुनाव में प्रत्याशी बनाएंगे कि नहीं ये कन्फर्म नहीं है.

पत्नी या बेटा कौन संभालेगा शहाबुद्दीन की विरासत- लालू यादव के दौर में बिहार में बाहुबली शहाबुद्दीन की सियासी तूती बोला करती थी, लेकिन दो दशक पहले सत्ता के परिवर्तन होने के साथ उनकी उलटी गिनती शुरू हो गई थी. शहाबुद्दीन को पहले सजा हुई और उसके बाद जेल में रहते हुए कोरोना काल में मौत हो गई. शहाबुद्दीन की विरासत पहले उनकी पत्नी हिना शहाब ने संभाली, लेकिन चुनावी बाजी जीत नहीं सकी.

वसुंधरा राजे की दिल्ली दस्तक!

मोदी और शाह से मुलाकात ने फिर बढ़ाई सियासी गर्मी

जयपुर. भाजपा की वरिष्ठ नेता और राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया ने एक बार फिर राष्ट्रीय राजनीति के केंद्र बिंदु दिल्ली में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है. मंगलवार को वसुंधरा राजे ने संसद भवन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से करीब 20 मिनट तक मुलाकात की. इस भेंट को लेकर राजनीतिक हलकों में तरह-तरह की चर्चाएं तेज हो गई हैं.

सूत्रों के अनुसार, यह मुलाकात अनौपचारिक थी लेकिन बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है. बताया जा रहा है कि वसुंधरा राजे और प्रधानमंत्री मोदी के बीच राजस्थान की राजनीतिक स्थिति, संगठन के भविष्य की रणनीति और आगामी निकाय चुनावों को लेकर चर्चा हुई. हालांकि, इस मुलाकात को लेकर किसी भी पक्ष की ओर से आधिकारिक बयान नहीं आया है, लेकिन इसके निहितार्थ निकाले जाने लगे हैं.

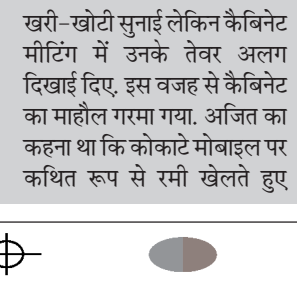

विशेष बात यह है कि वसुंधरा राजे ने इसी दिन केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से भी मुलाकात की. इस भेंट की पुष्टि भले ही आधिकारिक रूप से न हुई हो, लेकिन पार्टी सूत्रों का कहना है कि यह मुलाकात दिल्ली स्थित अमित शाह के कार्यालय में हुई और इसमें राजस्थान की राजनीतिक गतिविधियों पर विशेष ध्यान दिया गया. पिछले कुछ समय से राजस्थान भाजपा में अंदरूनी गुटबाजी और नेतृत्व को लेकर सवाल उठते रहे हैं.

महागठबंधन में चल रहा गजब का खेल

पटना. महागठबंधन में अभी सीट शेयरिंग को लेकर तस्वीर साफ नहीं है. दलों के बीच सीट शेयरिंग कब होगी और उसकी घोषणा कब होगी इसकी भी जानकारी किसी के पास नहीं. लेकिन इस बीच कांग्रेस ने बडा फैसला ले लिया है.

कांग्रेस ने अपने उम्मीदवारों के चयन के लिए स्क्रीनिंग कमिटी की घोषणा कर दी है. अब सवाल ये उठ रहे हैं कि जब सीट ही तय नहीं है तो कांग्रेस कैसे उम्मीदवारों के नाम पर मुहर लगाएगी. कांग्रेस ने उम्मीदवारों के चयन के लिए स्क्रीनिंग कमिटी के गठन की घोषणा कर दी है. कांग्रेस के 11 नेता मिलकर कांग्रेस के उम्मीदवार खोजेंगे. लेकिन कांग्रेस के इस फैसले के महागठबंधन के घटक दलों के बीच चर्चाएं तेज हो गई हैं कि सीट बंटा नहीं तो उम्मीदवार के चयन का क्या मतलब.

कांग्रेस को सीट शेयरिंग में 70 सीटें ही मिलेंगी ये अभी तय नहीं है. बीते चुनाव परिणाम से सबक लेते हुए इस बार आरजेडी कांग्रेस को मजबूत कैंडिडेट के हिसाब से सीटे देने की तैयारी कर रही है. वहीं कांग्रेस ने भी बीते चुनाव में आरजेडी पर हारने वाली सीटों को दिए जाने का आरोप लगाया था.

विशेष | **दोनों डिप्टी सीएम के कैबिनेट बैठक में ही तकरार**

मंत्रियों के इस्तीफे पर भिड़े शिंदे-अजित

मुंबई. महायुति में विवादित मंत्रियों के इस्तीफे को लेकर डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे व अजित पवार के बीच भिड़ंत हो गई है. सूत्रों के मुताबिक मंगलवार को कैबिनेट की बैठक के दौरान अजित ने अपने आक्रामक तेवर दिखाते हुए कहा कि पहले शिंदे गुट के विवादित मंत्रियों का इस्तीफा लिया जाना चाहिए. इसके बाद वे अपने मंत्री का इस्तीफा लेंगे.

हालांकि, मीटिंग शुरू होने से पहले अजित ने अपने कृषि मंत्री माणिक राव कोकाटे को खूब खरी-खोटी सुनाई लेकिन कैबिनेट मीटिंग में उनके तेवर अलग दिखाई दिए. इस वजह से कैबिनेट का माहौल गरमा गया. अजित का कहना था कि कोकाटे मोबाइल पर कथित रूप से रमी खेलते हुए पकड़े गए हैं. मैं मानता हूं कि यह लापरवाही है लेकिन कोकाटे पर किसी तरह का आर्थिक आरोप नहीं है.

अजित का इशारा शिंदे गुट के कैबिनेट मंत्री संजय शिरसाट की ओर था, जो कथित रूप से नोटों से भरे बैग के साथ नजर आए. साथ ही शिंदे गुट के ही राज्य मंत्री योगेश कदम के ऊपर अपनी मां के नाम पर बीयर बार चलाने का आरोप है. हालांकि शिंदे ने अपने मंत्रियों का बचाव करते हुए कहा कि शिरसाट व कदम पर लगाए गए आरोप बेबुनियाद हैं. ऐसे में वे अपने मंत्रियों का इस्तीफा नहीं लेंगे. इस बीच सीएम ने माहौल को ठंडा करते हुए कहा कि किसी भी मंत्री से इस्तीफा नहीं लिया जाएगा उन्होंने कहा कि सभी मंत्रियों को सावधान रहने की जरूरत है.

शिंदे ने भी दी नसीहत

सूत्रों के मुताबिक डीसीएम एकनाथ शिंदे ने भी मौजूदा हालात को देखते हुए अपने मंत्रियों व विधायकों को अनुशासन में रहने की नसीहत दी है. उन्होंने खास तौर से अपने मंत्री संजय शिरसाट को सतर्क रहने की सलाह दी है. साथ ही गृह राज्य मंत्री योगेश कदम को भी थोड़ा लो प्रोफाइल रहने को कहा है. कैबिनेट मंत्री भरत गोगावले को भी सोच समझ कर बयान देने के निर्देश दिए गए हैं. शिंदे ने कहा कि महायुति सरकार की कमान अब बीजेपी के हाथ में है.